

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों व शोध में देशभर में यूपी अव्वल

55 फीसदी मोबाइल पाटर्स का प्रदेश में हो रहा उत्पादन

अमर उजाला ब्यूरो



हैंडलूम सेक्टर में तीसरा सबसे बड़ा राज्य बनकर उभरा यूपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को दस खरब डालर अर्थव्यवस्था बनाने के लिए बनाई गई नीतियों का असर दिखने लगा है। मोबाइल पाटर्स में उत्तर प्रदेश के रुतबे का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश के कुल 55 प्रतिशत मोबाइल पाटर्स का उत्पादन अकेले यूपी में हो रहा है।

उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बाजार में यूपी देश में पहले स्थान पर है। इसी कारण देश में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक है। देश में सबसे तेजी से विकसित होने वाला आईटी सेक्टर भी यूपी बन गया है। वहीं, हैंडलूम सेक्टर में भी यूपी देश में तीसरे नंबर पर है। इनवेस्ट इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार यूपी की जनसंख्या ब्राजील के बराबर है। सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश में औद्योगिक व आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कोर सेक्टरों का चयन किया गया है। इनमें पॉलिसी निर्धारण, रियायतें, जमीन आवंटन समेत तमाम प्रक्रियाओं के जरिये ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इनवेस्ट इंडिया के आंकड़ों के अनुसार यूपी में इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन व निर्माण सेक्टर से जुड़ी

196 कंपनियां कार्यरत हैं। वर्तमान में 30 स्पेशल इकॉनॉमिक जोन और 40 आईटी व आईटीईएस पार्क हैं, जो प्रदेश की पहचान देश के नए आईटी हब के तौर पर विकसित कर रहे हैं। योगी सरकार की नीतियों के कारण नोएडा व ग्रेटर नोएडा में रिसर्च व डेवलपमेंट सेंटरों का विकास हुआ है। सेमीकंडक्टर्स को लेकर शोध कर रही कंपनियों ने भी प्रदेश में कदम रख दिए हैं।

मेरठ, मुरादाबाद, कन्नौज, कानपुर, आगरा, वाराणसी, भदोही व लखनऊ प्रदेश के मुख्य व्यापारिक केंद्रों के तौर पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। देश में आठ प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन यूपी में हो रहा है। मत्स्य उत्पादन में तीसरे व फ्रोजन मीट उत्पादन में यूपी पहले पायदान पर है। 15 एग्रो व फूड प्रोसेसिंग क्लस्टर और 4 कृषि निर्यात जोन के कारण उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी लगातार तरक्की कर रहा है।